14. साथी की सहायता

इकाई - IV

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. हाथी क्या कर रहा है?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ पढ़ो। कठिन शब्द और वाक्य रेखांकित करो।
2. कठिन शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा करो।
3. कठिन शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़ो।

© SCERT not to be republished

एक बालक था। उसकी उम्र ग्यारह वर्ष थी। एक दिन वह अपने पिताजी के पास गया और बोला - ''पिताजी, मुझे सात-आठ रुपये दे दीजिए।''

पिताजी ने कहा - ''सात-आठ रुपये! तुम इतने रुपये लेकर करोगे क्या?''

बालक बोला - ''मुझे इन रुपयों की ज़रूरत है।''

पिताजी ने बालक को पाँच रुपये दे दिये। लेकिन वे जानना चाहते थे कि बालक इतने सारे रुपये किस काम में खर्च करेगा। वे चुपचाप उसके पीछे चल पड़े।

बालक सीधे अपने साथी के घर गया। वह उसे बुला लाया। फिर दोनों बाज़ार की ओर चल पड़े। पिताजी भी उनके पीछे-पीछे गये।

बाज़ार में पुस्तकों की एक दुकान थी। वहाँ दोनों रुक गये। बालक ने कुछ पुस्तकें खरीदीं और अपने साथी को दे दीं। साथी को इन पुस्तकों की बहुत ज़रूरत थी।

पिताजी सब कुछ समझ गये। वे खुश थे कि उनके बेटे ने अपने साथी की सहायता की।

पिताजी ने अपने बेटे को बुलाया और कहा - ''तुमने बहुत अच्छा काम किया है। साथियों की सहायता करना बहुत अच्छी बात है। मैंने तुम्हें पुस्तकें खरीदते देख लिया था।''

जानते हो बच्चो! उस लड़के का नाम क्या था? उस लड़के का नाम चित्तरंजन दास था। चित्तरंजन दास ने देश की बहुत सेवा की। लोग इन्हें ''देशबंधु'' के नाम से जानते हैं।

सुनो-बोलो

1. यदि बच्चे को पैसे नहीं मिलते तो साथी की सहायता कैसे करता?
2. सहायता क्यों करनी चाहिए?
3. अपने द्वारा की गयी किसी सहायता के बारे में बताओ।

चित्तरंजन दास

पढ़ो

(अ) नीचे दिये गये वाक्य ध्यान से पढ़ो। पाठ के आधार पर बाद में आने वाले वाक्य लिखो।

- एक दिन वह अपने पिताजी के पास गया और बोला...

.....

- वे जानना चाहते थे कि बालक रुपये किस काम में खर्च करेगा...

.....

- बालक ने कुछ पुस्तकें खरीदीं और अपने साथी को दे दीं...

.....

- पिताजी सब कुछ समझ गये...

.....

- चित्तरंजन दास ने देश की बहुत सेवा की...

.....

(आ) नीचे महान नेताओं के चित्र दिये गये हैं। उनके नाम लिखो।

.....

.....

.....

.....

.....

.....

© SCERT not to be republished

लिखो

(अ) **नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर लिखो।?**

1. बालक का नाम क्या था?

.....

2. बालक ने अपने पिताजी से रुपये क्यों माँगे?

.....

3. पिताजी बालक के पीछे-पीछे क्यों गये?

.....

.....

4. पिताजी क्यों खुश हुए?

.....

.....

5. अगर चित्तरंजन दास की जगह तुम होते तो क्या करते?

.....

.....

.....

.....

.....

(आ) **नीचे दिये संकेतों के आधार पर ''साथी की सहायता'' पाठ का सारांश लिखो।**

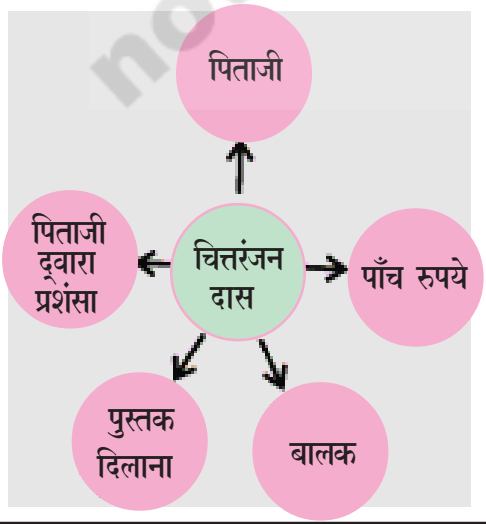

चित्तरंजन दास एक दिन पिताजी के पास गये।

.....

.....

.....

.....

© SCERT not to be republished

शब्द भंडार

(अ) निम्न शब्दों के अंतर पर ध्यान देते हुए पढ़ो।

दिन - दीन	वह - वाह	कम - काम
पिता - पीता	ओर - और	वर्ष - वर्षा
कह - कहा	चल - चाल	दस - दास

भाषा की बात

(अ) वर्ग पहेली के आधार पर उदाहरण के अनुसार रिश्तों के नाम लिखो।

पि	ब	ना	ई
भा	ता	ह	ची
दा	न	चा	ना
या	चा	नी	दा
भै	दी	भी	मा
मी	चा	सा	ता

माता - पिता

....

....

....

....

....

ऊपर दिये गये अभ्यास से अलग-अलग लिंग वाले शब्दों का बोध होता है। इसी तरह के कुछ और शब्द लिखो।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

(अ) चित्तरंजन दास ने अपने मित्र की सहायता की। तुम किन-किन लोगों की सहायता करना चाहते हो?

क्या मैं ये कर सकता हूँ?	हाँ (√)	नहीं (×)
1. कहानी के बारे में बातचीत कर सकता हूँ।		
2. कहानी का सारांश अपने शब्दों में बता सकता हूँ।		
3. कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता हूँ।		
4. कहानी के शब्दों से वाक्य बना सकता हूँ।		

© SCERT not to be republished